Statement

Grants-in-aid released to Indian Council of Child Welfare by Govemment of India under various Schemes/ Programmes during the last three years.

Sl. No.	Name of the Scheme/Programme.	Amount of Grant-in-aid given to ICCW (Rs. in lakhs)		
		1990-91	1991-92	1992-93
1	Bal Sevika Training Programme	43.65	29.81	34.69
2	Anganwadi Training Programme.	322.77	297.59	308.09
3	Balwadi-cum-Nutrition Programme	60.70	55.68	61.45
4	Care and Protection of Children rendered destitute during Assam disturbances in 1983	2.25	1.95	1.80
5	Grant for Early Childhood Eduction	27.82	36.31	43.77
6	Grant for Creche Workers Training Programme	Nil	2.25	1.86
7	Grant for Creche Programme	195.19	167.85	190.71
8	Grant for Child Labour Projects Ferozadabad	6.60	10.42	12.83
9	Grant for Child Labour Bidi Projects in M.P.	1.53	1.52	0.78
10	Grant for Child Labour Project Aligarh	3.50	13.92	11.52
11	Grant for Child Labour Project Moradabad	4.66	Nil	5.02
12	Street Children Project in Delhi	0.58	0.61	0.94
13	Grants for Conference of Adoption	Nil	Nil	0.75

परीक्षा प्रणाली के संबंध में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद का सम्मेलन

167. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् ने परीक्षा प्रणाली में सुधारों के संबंध में गत वर्ष एक सम्मेलन बुलाया था;

(ख) यदि हां, तो इस सम्मेलन में किन-किन मुद्दों पर चर्चा हुई तथा इसमें भाग लेने वाले प्रत्येक सदस्य ने क्या-क्या सुझाव दिए थे; और

(ग) इस सम्मेलन में दिए गए सुझावों के संबंध में सरकार ने अब तक कौन-कौन से कदम उठाए हैं तथा शिक्षा के स्तर में सुधार करने हेतु उन्हें कार्यान्वित करने के लिए क्या-क्या प्रयास किए हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग में उप-मंत्री) (कुमारी शैलजा): (क) से (ग) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने भारत के स्कूल शिक्षा बोर्ड परिषद के सहयोग से मसूरी में 6 से 8 जुलाई, 1992 तक माध्यमिक स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली लागू करने तथा परीक्षा सुधार पर एक सम्मेलन का आयोजन किया था। सम्मेलन में कक्षा IX से XII तक सेमेस्टर प्रणाली लागू करने तथा परीक्षा प्रणाली में सुधार करने पर व्यापक चर्चा की गई। सम्मेलन में परीक्षा प्रणाली में सुधार से संबंधित जितनी

भी सिफारिशें की गई वे सभी सेमेस्टर प्रणाली लागू करने से जुड़ी हुई थी, जिसे देश में उच्च माध्यमिक स्तर पर भी अभी तक शुरू नहीं किया गया है।

हॉकी के प्रदर्शन में गिरावट

168. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ दशकों से राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय हॉकी का प्रदर्शन निरन्तर गिर रहा है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है;

(ग) क्या यह भी सच है कि हॉकी के क्षेत्र में बढ़ते हुए राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण खिलाड़ियों के पर्याप्त प्रशिक्षण के बिना उनका पक्षपातपूर्ण चयन किया जाता है;

(घ) क्या सरकार इस समय हॉकी को बढ़ावा नहीं दे रही है;

(ङ) क्या सरकार ने हॉकी के निराशाजनक प्रदर्शन के संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया है;

(च) सरकार ने हॉकी के निरन्तर गिरते हुए प्रदर्शन तथा इसके स्तर में सुधार लाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए हैं और क्या सरकार ने हॉकी से जुड़ी समस्याओं का पता लगाने का कोई प्रयास किया है; और

(छ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (युवा कार्य और खेल विभाग) में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री मुकुल वासनिक) : (क) और (ख) जी, हां।

सरकार ने कई बार निम्नलिखित तथ्यों का पता लगाया है। जिसके कारण वर्तमान स्थिति उत्पन्न हुई है :

1. विशेष रूप से स्कूल और विश्वविद्यालय स्तरों पर गिरता हुआ खेल आधार।
2. वैकल्पिक खेलों जैसे क्रिकेट और टेनिस का बढ़ता आकर्षण।
3. विश्व के अन्य देशों में खेलों के स्तर में सुधार।
4. खेल की परिस्थितियों में बड़े परिवर्तन विशेषकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, जिनका खेलकूद की तकनीक और स्टाइल पर बुनियादी प्रभाव होता है तथा जिसके अनुसार हम स्वयं को समायोजित करने में असमर्थ रहे हैं।

(ग) जी, नहीं।

(घ) सरकार हॉकी को उच्च प्राथमिकता देती रही है।

(ङ) जैसा कि (क) और (ख) पर है।

(च) सरकार ने हॉकी के स्तर में सुधार करने के लिए भारतीय हॉकी ,परिसंघ और भारतीय महिला हॉकी परिसंघ के सहयोग से निम्नलिखित उपाए किए हैं :

1. कृत्रिम सतहों की स्थापना।
2. जूनियर खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए हॉकी अकादमियों की स्थापना।
3. सीनियर और जूनियर स्तरों पर अधिकाधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन।
4. भारत में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों को बढ़ावा देना।
5. जूनियरों और उप-जूनियरों को प्रशिक्षित करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण को विशिष्ट योजनाएं।
6. स्कूलों और विश्वविद्यालयों को हॉकी सहित खेलों की शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग बनाने हेतु प्रेरित करने के लिए कई उपाय किए गए हैं।

(छ) वही जैसा कि ऊपर दिया है।